5 जुलाई 2025
मूल्य : 5.00 रुपये

मालवा-निमाड़

जाग्रत मालवा

पंजीयन क्रमांक : MPHIN/2021/82532

मासिक जागरण पत्रिका

लव जिहाद

"लव जिहाद" एक सुनियोजित इस्लामिक षड्यंत्र है, जिसमें लुभावने वादे कर बहुसंख्यक धर्म की बेटियों को प्रेमजाल में फँस कर धर्मांतरित करने के लिए "लुभाते" हैं इसी पर आधारित जाग्रत मालवा का यह अंक।

SHAKTI®
PUMPING LIFE

सूर्य ही नई शक्ति

शक्ति सोलर होम लाईट एंड चार्जिंग सिस्टम

सौर ऊर्जा का उपयोग एवं अपार फ़ायदों को सभी जानते है, और इसलिये हर जगह एवं हर क्षेत्र में इसका अस्तित्व दिखने लगा है. अब सौर ऊर्जा का उपयोग उद्योगों के साथ साथ घरेलु बिजली के उपयोग में भी होने लगा है.

शक्ति पम्पस् ने शक्ति सोलर होम लाईट एंड चार्जिंग सिस्टम को विकसित किया है.

MRP 29500/-

शक्ति सोलर होम लाईट एंड चार्जिंग सिस्टम

- 150 वॉट का एक सोलर पेनल
- लिथीयम एंड फास्फेट (LFP) बैटरी 60 Ah
- MPPT चार्ज कंट्रोलर 20 A
- डीसी सिलिंग फैन
- 02 व्हाईट एलईडी बल्ब 6 वॉट

विशेषताएं

शक्ति सोलर होम लाईट एंड चार्जिंग सिस्टम में एक बार का निवेश जो आपको साल-दर-साल फायदा पहुंचाएं.

- बिजली के बिल में कमी
- लम्बे समय तक चले
- भरोसेमंद एवं बाधा रहित परफॉर्मेंस
- रख-रखाव एवं चलाना आसान
- पर्यावरण-अनुकूल
- प्रचुर मात्रा में उपलब्धता
- परंपरागत ऊर्जा के स्रोतों पर निर्भरता से मुक्त
- सरल संचालन
- लिथियम बैटरी की लाईफ अन्य सामान्य बैटरी की तुलना में अधिक है एवं यह बहुत जल्दी चार्ज होती है.

सोलर कंट्रोलर की विशेषताएं

- HIGH PERFORMANCE CHIP
- MULTIPLE PROTECTION
- AUTOMATIC RECOGNITION
- LIGHT EFFICIENCY TIME CONTROL
- PWN CHARGE
- SIMPLE INSTALLATION

कार्यप्रणाली

India : Toll Free No. 1800 103 5555

शक्ति पम्पस् (इंडिया) लिमिटेड

सेक्टर - 3, औद्योगिक क्षेत्र, पीथमपुर, जिला-धार (म.प्र.) - इंडिया फोन.: +91-7292-410500

ई-मेल: info@shaktipumps.com, वेब: www.shaktipumps.com. टोल फ्री नं.: 1800 103 5555

* नियम व शर्तें लागू

जाग्रत मालवा
मासिक जागरण पत्रिका

मासिक जागरण पत्रिका
शीर्षक (टाईटल) पंजीयन MPHIN/2021/82532
वर्ष : ०५ अंक : ०१
आषाढ शुक्ल १०
युगाब्द ५१२७

प्रधान संपादक
देवकृष्ण व्यास
संपादक
राकेश दाँगी
संपादक मंडल
डॉ. सुब्रतो गुहा
डॉ. सोनाली नरगुन्दे
डॉ. रत्नदीप निगम
डॉ. उत्तम मीणा
राजेश सोनी
अशोक वर्मा
योगेश भोपे
सौरभ मारु
अमन व्यास

मुख्य कार्यालय
जाग्रत मालवा
जी-1, केसरदीप एवेन्यू
72, नारायण बाग, इन्दौर (म.प्र.)
पिन कोड : 452007
फोन : 0731-3551341
Email :
jagratmalwa@gmail.com
jagratmalwa

स्वामी - विश्व संवाद केन्द्र के लिए प्रकाशक और मुद्रक दिनेश गुप्ता द्वारा मुद्रांकण ऑफसेट ए-11/डी पोलोग्राउंड इंदौर म.प्र. से मुद्रित एवं 72, नारायण बाग, जी-1, केसरदीप एवेन्यु इन्दौर म.प्र. से प्रकाशित। संपादक राकेश दाँगी
फोन नं. 0731-3551341

अपनी बात

प्रेम करना बुरी बात नहीं लेकिन प्रेम में जब षड्यंत्र किया जाता है तो वह **लव जिहाद** कहलाता है। **जिहाद** एक अरबी शब्द है जिसका हिन्दी में अर्थ **संघर्ष** होता है, अभी प्रेम के नाम पर बहुत बड़ा षड्यंत्र चल रहा है। इसमें अपना नाम और पहचान बदलकर भोली-भाली लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फँसाकर उन्हें धर्मपरिवर्तन के लिए मजबूर करना और नहीं मानने पर उन्हें घोर यातनाएं देना, यहाँ तक कि उनकी हत्या कर देना, इस प्रकार के कई प्रकरण हम सुनते आये हैं। इन घटनाओं को एक सभ्य समाज कभी स्वीकार नहीं कर सकता। विशेष रूप से हिन्दू समाज इससे बहुत प्रभावित है। कई हिन्दू लड़कियाँ **लव जिहाद** की शिकार हो चुकी हैं और यह अब भी चल रहा है।

सिर्फ **लव जिहाद** ही नहीं कई प्रकार के जिहाद से पूरा हिन्दुस्तान प्रभावित है। वक्फ बोर्ड के माध्यम से लैंड जिहाद के नाम पर आतंकवादी संगठन चल रहे हैं जो मानवता पर सतत प्रहार कर रहे हैं। पहलगाम की घटना इसका जीता-जागता उदाहरण है। इस जिहादी मानसिकता से निपटने के लिए पूरा विश्व संघर्ष कर रहा है।

अपना भारतवर्ष जो पूरे विश्व को शान्ति का संदेश देता आया है। सबसे अधिक इससे संघर्ष कर रहा है। अब समय आ गया है कि पूरी दुनिया मिलकर इस षड्यंत्र को समाप्त करने के लिए एकजुट हो जाए। विशेष रूप से **लव जिहाद** से निपटने के लिए हम सभी भारतीयों को सजग होकर इस षड्यंत्र से निपटना होगा।

- देवकृष्ण व्यास

आतंकवाद का नया नाम : लव जिहाद

पार्थ शर्मा

विश्व भर में विभिन्नता के तौर पर भारत के समान कोई और देश देखने को नहीं मिलता। भाषा, संप्रदाय, धर्म, रंग और खान-पान में भी देश भर में भिन्नताएं देखी जा सकती हैं। यह विभिन्नता हमारे देश को जितना विशिष्ट बनाती है उतनी ही मतभेद और द्वेष की गुंजाइश को बढ़ा भी देती है। बीते वर्षों में देश में होने वाले विख्यात अपराधों पर नजर डाली जाए तो इस लिहाज से **लव जिहाद** नाम से अपराधों का नई श्रेणी देखने को मिलती है। **लव जिहाद** शब्द का सबसे पहले वर्ष 2009 में हिंदू संगठनों ने, मुस्लिम समाज के पुरुषों द्वारा हिन्दू स्त्रियों के साथ किए वैवाहिक अपराधों की व्याख्या करते हुए प्रयोग किया था। यह विचार इस मत का समर्थन करता है कि कट्टरपंथी मुस्लिम पुरुष हिन्दू धर्म की महिलाओं से धोखा और चालबाजी कर शादी करते हैं ताकि शादी के बाद उनका धर्म-परिवर्तन कर उन्हें मुस्लिम आस्था में खींच सकें।

अब्राहमिक धर्मों में धर्म-परिवर्तन का लंबा इतिहास देखने को मिलता है। यही कारण है कि आज भी ऐसे अपराधों को इस्लाम से जोड़ा जाता है। **लव जिहाद** के संबंध में सबसे संगीन मामला 2022 का महरौली हत्याकांड माना जा सकता है। इस मामले में हिंदू लड़की की मुस्लिम लिव-इन पार्टनर ने बेरहमी से हत्या की और शरीर के टुकड़े करके रेफ्रिजरेटर में रख दिए थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश में कई मदरसों पर भी **लव जिहाद** को बढ़ावा देने के आरोप लगे जिसके पश्चात् प्रदेश सरकार द्वारा कड़े कानून स्थापित किए गए। हालांकि उत्तर प्रदेश के लिए यह नया नहीं था। नवंबर 2020 में ही प्रदेश में **गैरकानूनी धार्मिक रूपांतरण निषेध अध्यादेश** लागू कर दिया गया था। इसी कानून के अंतर्गत माने गए अपराधों को **लव जिहाद** की श्रेणी में रखा जाता है। कुछ वर्षों पूर्व राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा भी **लव जिहाद** के परिप्रेक्ष्य में छानबीन हुई थी।

भारतीय समाज ने सदैव शान्तिप्रियता का पक्ष लिया है। इसे कायम रखने के लिए समाज में मजहब के नाम पर द्वेष बढ़ाने वाले सभी तत्वों के खिलाफ कदम उठाए जाने चाहिए। आतंकवाद महज हथियारबंद हमलों तक सीमित नहीं होता। दुर्भाग्यवश, यह कहीं अधिक व्यापक है। आतंकवाद का सबसे पहला असर बुद्धि पर होता है। मजहबी कट्टरता से प्रभावित लोग समाज को मोह और आकर्षण के बहाने अंधकार की ओर ले जा रहे हैं। ऐसे अपराध कई जिंदगियों पर सीधा असर डालते हैं।

हालांकि, **लव जिहाद** शब्द स्वयं में एक राजनीतिक और वैचारिक बहस का हिस्सा बन चुका है। कई सामाजिक संगठन और मानवाधिकार कार्यकर्ता इसे एक गढ़ा गया सामाजिक भ्रम मानते हैं, जो अंतरधार्मिक विवाहों को अपराध की तरह पेश करता है। वे तर्क देते हैं कि प्रेम और विवाह जैसे व्यक्तिगत विषयों को धर्म और राजनीति की नजर से देखना भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत है।

अतः इस संबंध में न्याय के लिए कानून स्थापित होना आवश्यक है। परंतु उन्हें लागू करने से पूर्व उनका अच्छी तरह से विश्लेषण होना आवश्यक है ताकि न्याय सही प्रकार हो सके। कट्टरता व पिछड़ेपन से शुरू होने वाली समस्याएं जो आगे चलकर बड़ा रूप ले लेती हैं उनमें कई बार फर्जी आरोप लगना भी स्वाभाविक है। ऐसे फर्जी मामलों के उदाहरण कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में देखे गए हैं। कई महिलाएं इन अपराधों से पीड़ित रहीं हैं। परंतु जितनी महिलाएं मुस्लिम पुरुषों के साथ प्रेम संबंध में हैं, उन सभी को **राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा** घोषित करना ज्यादती है।

महिलाओं के साथ होने वाले सभी अपराधों के समान यह भी अत्यंत संगीन है। कानून व्यवस्था में सुधार के साथ-साथ हम सभी नागरिकों का भी जल्द से जल्द, अधिक से अधिक जागरूक होना अनिवार्य है। **लव जिहाद** का विचार इस हद तक पहुंच चुका है कि अब यह हमारी जिम्मेदारी है कि आगे किसी अबोध को इसके कारण पीड़ा न सहनी पड़े और उचित न्याय मिले।

जब प्रेम धोखे के रास्ते से धर्मांतरण में बदले और आस्था को आतंकवादी हथियार बनाए, तब भारत के विवेक को जागृत करना ही होगा

अनुश्री करंकार

भारतवर्ष, जिसकी गंगा-जमुनी तहजीब पूरे विश्व में एक मिसाल रही है, आज विचारधाराओं के संघर्ष का केंद्र बन चुका है। भारत केवल एक भू-भाग नहीं, बल्कि एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है जो सहिष्णुता, समावेश और संतुलन पर टिकी है। किंतु, जब कोई विचारधारा अपने विस्तार के लिए इस भूमि की मूल चेतना को चुनौती देती है, तो यह केवल एक मतभेद नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है।

गजवा-ए-हिंद की अवधारणा इसी वैचारिक टकराव का एक उदाहरण है। यह शब्द इस्लामी आख्यानों की कुछ हदीसों में मिलता है, जिसमें भारत पर युद्ध और उसके **विजय** की कल्पना की गई है। जैसे सुनन अन-नसाई में वर्णित है कि - एक सेना भारत पर आक्रमण करेगी, वहाँ के राजा को बंदी बनाएगी और फिर विजयी होकर लौटेगी। यह अधिकांश मुस्लिम समाज में एक प्रतीकात्मक आख्यान माना जाता है, परंतु कुछ कट्टरपंथी विचारधाराएँ इसे एक ऐतिहासिक और धार्मिक लक्ष्य की तरह देखती हैं और इसी को आधार बनाकर **भारत को इस्लामी राष्ट्र** बनाने की बात करती हैं।

यही वैचारिक आधार कई आतंकवादी संगठनों के लिए एक नारा बन गया। लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठन **गजवा-ए-हिंद** का उपयोग अपनी भर्तियों और प्रचार सामग्री में करते हैं। इस वैचारिक घुसपैठ का सबसे भयावह चेहरा कश्मीर ने देखा है, जहाँ 1989 के बाद से कट्टरपंथियों ने **गजवा** की भावना को जमीन पर उतारा। कश्मीरी पंडितों को धर्म के आधार पर धमकाया गया – **या धर्म बदलो, या मर जाओ, या घाटी छोड़ दो।** इस्लामी जिहाद के नाम पर लाखों हिन्दुओं का पलायन हुआ, हजारों की हत्या, और आज तक उनका पुनर्वास अधूरा पड़ा है। आतंक ने न केवल खून बहाया, बल्कि भारत की साझा संस्कृति को भी गहरा घाव दिया। समय के साथ युद्ध की रणनीति बदली। बंदूक की जगह सोशल मीडिया और प्रोपेगेंडा ने ले ली। जहां पहले लड़ाइयाँ सीमाओं पर लड़ी जाती थीं, अब वो दिमाग और दिल पर लड़ी जाती हैं। और इसी वैचारिक युद्ध का एक नया मोर्चा बना – **लव जिहाद।**

लव जिहाद एक धार्मिक सिद्धांत नहीं है। यह शब्द कुरान या हदीस में कहीं नहीं पाया जाता। लेकिन इसका वास्तविक स्वरूप उन घटनाओं में दिखाई देता है जहां कथित रूप से मुस्लिम युवक हिंदू या गैर-मुस्लिम लड़कियों से अपनी पहचान पहचान छुपाकर, प्रेम का दिखावा कर, विवाह और फिर धर्मांतरण की ओर ले जाते हैं। यह शब्द भारत में एक सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का विषय बन चुका है। इसका मूल आरोप यह है कि एक संगठित प्रयास के तहत मुस्लिम युवक हिंदू लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराते हैं और अंततः इस्लाम धर्म में शामिल करते हैं।

भारत के कई राज्यों जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश ने विवाह से जुड़ी जबरन धर्मांतरण की घटनाओं को रोकने के लिए विधेयक पारित किए हैं। उत्तर प्रदेश में नवंबर 2020 में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू किया गया, जिसके तहत धोखे, प्रलोभन या जबरदस्ती से धर्मांतरण को अपराध माना गया। वर्ष 2009 में केरल और कर्नाटक पुलिस ने कुछ मामलों की जांच की और **लव जिहाद** शब्द का प्रयोग किया, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने इस पर समग्र पैमाने पर कोई साजिश नहीं पाई। हालांकि, वर्ष 2014 के बाद से कई ऐसे मामले सामने आए जहाँ लड़की के परिवारीजन ने दावा किया कि उनकी बेटी को पहचान छुपाकर प्रेमजाल में फंसाया गया और धर्मांतरण के लिए मजबूर किया गया।

इस पूरे विमर्श का सबसे बड़ा संकट यही है – एक तरफ इस शब्द के माध्यम से पूरे मुस्लिम समाज को निशाने पर नहीं लिया जा सकता, दूसरी ओर उन कट्टरपंथी प्रवृत्तियों की भी अनदेखी नहीं की जा सकती जो युवाओं को धर्म आधारित वैचारिक हथियारों में बदलना चाहती हैं। यह भारत के संविधान, संस्कृति और सामाजिक समरसता तीनों के लिए चुनौती है। अकबर इलाहाबादी ने कहा था **मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।** लेकिन जब मजहब को एक राजनीतिक हथियार में बदला जाता है, तो न समाज बचता है न संस्कृति। लव जिहाद जैसे मामलों में यदि कोई युवती सचमुच धोखे का शिकार होती है, तो यह केवल एक धार्मिक मामला नहीं, बल्कि महिला की स्वतंत्रता, सुरक्षा और न्याय का प्रश्न बन जाता है। जबरन या धोखे से किया गया धर्मांतरण न तो धार्मिक है, न नैतिक। विवाह दो व्यक्तियों के बीच की बात है, लेकिन जब यह पहचान छिपाकर, साजिशन या किसी मिशन के तहत किया जाता है, तब यह केवल विवाह नहीं, बल्कि वैचारिक युद्ध का एक मोर्चा बन जाता है।

भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है जहाँ हर नागरिक को अपनी आस्था और जीवनसाथी चुनने का अधिकार है। लेकिन यही अधिकार तब ख़तरे में पड़ जाता है जब किसी के साथ छल किया जाए, पहचान छुपाई जाए, या सुनियोजित ढंग से एक धर्म को दूसरे पर वर्चस्व दिलाने की कोशिश हो।यह कहना गलत होगा कि हर अंतर्धार्मिक विवाह लव जिहाद है, लेकिन यह भी उतना ही गलत होगा कि इस नाम पर हो रहे संगठित कृत्यों को केवल प्रेम कहकर टाल दिया जाए। सच्चाई दोनों छोरों के बीच है। जहां एक छोर पर प्रेम है, और दूसरे छोर पर वैचारिक युद्ध। हमें दोनों को अलग करने के लिए विवेक और प्रमाण की ज़रूरत है।

गजवा-ए-हिंद और लव जिहाद दोनों विचारधाराएँ भारत की बहुलतावादी आत्मा पर आघात करती हैं। इनका विरोध किसी धर्म का नहीं, बल्कि कट्टरपंथ का विरोध है। भारत को ऐसी हर सोच से लड़ना है जो **विविधता में एकता** की उसकी मूल आत्मा को कुचलना चाहती है। भारत कोई युद्धभूमि नहीं, जहाँ मजहबी विजयों के स्वप्न पूरे किए जाएँ। यह एक ऐसी सांस्कृतिक चेतना है, जो तलवार नहीं, तर्क से जीवित रहती है। गजवा-ए-हिंद हो या लव जिहाद – ये भारत की आत्मा को चुनौती नहीं, सिर्फ उसकी सहिष्णुता की परीक्षा हैं। और भारत ने हर बार सिद्ध किया है कि सहिष्णुता उसकी कमजोरी नहीं, उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। **यह राष्ट्र टूटता नहीं, जागता है और जब भारत जागता है, तो इतिहास बदलता है।**

लव जिहाद - आतंक फैलाने का नया तरीका

मिहिका भटनागर

लव जिहाद प्रेम जैसी निःस्वार्थ और शुद्ध भावना का कुत्सित और विकृत रूप है। दूषित मानसिकता इस लव जिहाद का कारण है। सबसे पहले तो हम इस शब्द को समझते हैं लव अर्थात प्रेम और जिहाद अर्थात् इस्लामिक संघर्ष करना और वह भी न्याय के/ प्रेम के नाम पर, संघर्ष वह भी अपने साथी के साथ? यह अपने आप में प्रेम को कलंकित करना है।

लव जिहाद शुरुआत से ही एक विवादास्पद और संवेदनशील मुद्दा रहा है। शब्द लव जिहाद 2009 में चर्चा में आया था। क्या है लव जिहाद? सरल भाषा में लव जिहाद का अर्थ, दबाव डालकर धर्म परिवर्तन करना बताया गया है। सामाजिक तौर पर यह महिलाओं के साथ होते हुए पाया गया है।

लव जिहाद का उद्देश्य मुख्य रूप से विशेष समुदाय की जनसंख्या को बढ़ाने और अन्य धर्म-संस्कृतियों को नष्ट करने के लिए अन्य समाज की महिलाओं को बहकाना, उनसे शादी करना और उनका जबरन धर्म-परिवर्तन करना है। यह एक प्रकार का षड्यंत्र है जिसके अंतर्गत विशिष्ट समुदाय द्वारा अपने समाज के युवकों तथा पुरुषों को सिखाया जाता है कि वह अपनी असली पहचान छुपाकर किसी अन्य धर्म की महिलाओं का प्रेम के नाम पर मानसिक और शारीरिक रूप से शोषण करें, धर्मांतरण का दबाव बनाएं और बात न मानने पर उनके साथ दुर्व्यवहार करें या उनकी हत्या करें।

लव जिहाद के खिलाफ भारत के अनेक राज्यों में धर्मांतरण विरोधी कानून बनाए गए हैं हालांकि अब भी कई प्रकरण आए दिन सामने आते रहते हैं। इससे बचने के लिए स्वयं को जागरूक करना अति आवश्यक है।

दो बच्चों की माँ और पति से नाराज महिला को प्रेमजाल में फंसाया और स्वयं को हिंदू बताकर मुस्लिम युवक ने किया दुष्कर्म

यह चौंकाने वाली घटना है आगर मालवा के सुसनेर की। इस घटना से साफ होता है कि लव जिहादियों के निशाने पर केवल हिंदू युवतियां ही नहीं बल्कि वे शादीशुदा महिलाएं भी हैं जिनकी किसी कमजोरी का फायदा उठाया जा सकता हो।

राजस्थान के बकानी का निवासी शफीक हुसैन, आगर मालवा जिले में स्थित एक कंपनी में नौकरी करता है। यहां उसने पीड़ित महिला के घर के समीप ही किराए का मकान ले रखा था। जब उसे पता चला कि पास ही रहने वाली महिला का अपने पति से मनमुटाव चल रहा है, तो उसने लव जिहाद को अंजाम देने के लिए उस महिला से संपर्क बढ़ाया और अपने प्रेमजाल में फंसा लिया। इस पूरे प्रकरण में उसने स्वयं को हिंदू बताया था।

महिला के अनुसार आरोपी युवक ने इस घटना के बाद उसके साथ कई दिनों तक जबरदस्ती दुष्कर्म किया और शादी के लिए दबाव डालने लगा। शफीक हुसैन ने महिला को जबरदस्ती अपने साथ ले जाने का प्रयास भी किया किंतु परिवारजनों को समय पर सूचना मिल गई और उन्होंने शफीक को धर दबोचा। शफीक को लेकर परिवारजन थाने पहुंचे।

सूचना मिलने के बाद सुसनेर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने हुसैन के खिलाफ लव जिहाद, बलात्कार और एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

प्रकरण की जांच में एक आश्चर्यजनक खुलासा हुआ। दरअसल इस युवक के पास से सऊदी अरब सहित अन्य देशों में लाने ले जाने संबंधित कई कागजात मिले हैं और ऐसे में आशंका लग रही है कि लव जिहाद के इस षड्यंत्र के तार कहीं न कहीं महिलाओं की तस्करी से भी जुड़े हुए हैं। प्रकरण की जांच के दौरान जो खुलासा हुआ है उससे यह मामला उतना साधारण नहीं लगता जितना दिखाई दे रहा है। लव जिहाद के इस मामले में मानव तस्करी का एंगल भी जुड़ा हुआ है। दरअसल मुस्लिम युवक शफीक हुसैन के पास सऊदी अरब का टूरिस्ट वीजा और सऊदी अरब सहित अन्य देशों में लाने ले जाने संबंधित कागजात मिले हैं मालवा के छोटे से ग्राम सुसनेर में रहने वाले एक साधारण व्यक्ति के पास इन दस्तावेजों का पाया जाना इस बात को दर्शाता है कि यह एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा है जो हिंदू महिलाओं को प्रेमजाल में फंसाकर उनकी तस्करी करने का काम करता है। इससे यह भी साफ होता है कि इस नेटवर्क का आका कोई और है जिसके शफीक जैसे कई प्यादे पूरे देश में फैले हुए हो सकते हैं।

जाग्रत मालवा अब सोशल मीडिया पर भी

जाग्रत मालवा से वेबसाइट फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम व यूट्यूब पर जुड़कर देशभर के विशेषकर मालवा के समाचार प्राप्त कर सकते हैं।

अभी फॉलो करें - किसी भी प्लेटफॉर्म पर जाकर जाग्रत मालवा सर्च करें

बिछड़ोद लव जिहाद प्रकरण

उज्जैन जिले के घट्टिया थाना क्षेत्र के बिछड़ोद नामक ग्राम में तब हड़कंप मच गया जब गांव की ही एक किशोरी का अश्लील वीडियो वायरल हो गया। वीडियो देखकर गांव वाले हतप्रभ थे। जब इस प्रकरण से पर्दा हटा तो लव जिहाद के भयंकर षड्यंत्र का पता चला। ग्रामीणों की सक्रियता से ताबड़-तोड़ कार्यवाही की गई और आरोपियों को पकड़ा गया। जांच करने पर पता चला की हिंदू लड़कियों के शारीरिक शोषण का बड़ा खेल चल रहा था। घटना के मुख्य आरोपी फरमान और उसके मुस्लिम मित्रों ने किसी तरह से कई हिंदू लड़कियों के नंबर प्राप्त कर लिए और उनमें से कुछ लड़कियों से बातचीत प्रारंभ कर दी। इसके चलते ही ये लोग अपने जाल मे फंसी लड़कियों को अपने पास बुलाते और एकांत का फायदा उठाकर उनके आपत्तिजनक फोटो वीडियो तैयार कर लेते। ये लोग कुछ युवतियों को वीडियोकॉल भी करते। यहाँ भी दबाव डालकर इन लोगों ने कुछ युवतियों के आपत्तिजनक वीडियोकॉल रेकॉर्ड कर लिए।

इसके बाद इन सभी युवतियों को ये मुस्लिम युवक फोटो वायरल कर देने की धमकी देकर बार-बार उनका शारीरिक शोषण करने लगे। यह तो केवल वे प्रकरण हैं, जिसमें युवतियों ने और उनके परिवार वालों ने हिम्मत करके शिकायत दर्ज करवाई है। किंतु इनके अलावा ऐसी कई और युवतियाँ हो सकती हैं, जो इन शैतानों के जाल में फंसी हों और अपनी प्रतिष्ठा दाँव पर लग जाने के भय से सामने नहीं आ रही हों। भोपाल की ही तर्ज पर हुए इस लव जिहाद कांड में भी एक प्रकार की स्ट्रैटेजी दिखाई दे रही है। यह कार्य पूरी तरह से योजनाबद्ध तरीके से संगठित स्वरूप में किया गया, जिसका अंतिम उद्देश्य इन लड़कियों को अंततः मुसलमान बना देना और जिहादियों के जन्नत का टिकट पक्का कर देना ही था। घटना के संज्ञान में आने के बाद में पूरे समाज में भयंकर गुस्से की लहर फैल गई। ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और आरोपियों के घरों को आग के हवाले कर दिया गया। हालांकि इन प्रकरणों मे शामिल कुल सात आरोपी अब पुलिस की हिरासत में हैं, लेकिन हिरासत में ले लेना, उनके घरों में आग लगा देना पीड़ित परिवारों के दुख को किंचित मात्र भी कम नहीं कर सकेगा। आज नहीं तो कल ये आरोपी छूट जाएंगे, लव-जिहादियों को मिलने वाले उनके समाज के समर्थन से और विदेशी सहायता से उनके घर भी फिर से बन जाएंगे लेकिन जिन हिंदू युवतियों की लाज तार-तार हुई है, वे कैसे मुख्यधारा में वापस लौट सकेंगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। लव जिहाद केवल पीड़ित परिवारों के विरुद्ध किया गया अपराध नहीं है, बल्कि संपूर्ण सनातन समाज के विरुद्ध रचा गया भयंकर षड्यन्त्र है। इसे समय रहते पहचान कर समाप्त नहीं किया गया तो पूरे समाज को इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी।

मुकेश बनकर हिंदू युवती का शोषण कर रहा था यूसुफ

एक जिहादी को हिंदू संगठन ने पकड़ा है। अरोपी यूसुफ ने पीड़िता की सहेली के जन्मदिन की पार्टी में उसका मोबाइल नंबर हासिल किया था। फिर खुद को मुकेश बताकर दोस्ती की और पीड़िता के फ्लैट पर आना-जाना शुरू कर दिया। इसके साथ ही पीड़िता को घुमाने-फिराने लगा। इस बीच उससे कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए और फिर मुस्लिम बनने के लिए दबाव बनाने लगा।

कनाड़िया पुलिस के अनुसार कनाड़िया रोड निवासी 25 वर्षीय हिंदू युवती की शिकायत पर **आरोपी यूसुफ पिता अय्यूब खान निवासी खजराना के खिलाफ दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन, मारपीट व धमकी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।** युवती ने पुलिस को बताया कि वह मूलतः उज्जैन की रहने वाली है और वर्तमान में इंदौर की स्कीम नंबर 78 में एक डॉक्टर के यहां काम करती है। डेढ़ साल पहले वह एक सहेली की बर्थ-डे पार्टी में महू स्थित राजपूत ढाबे पर गई थी। पार्टी के दौरान उसकी मुलाकात **यूसुफ से हुई। मुस्लिम लव जिहादी यूसुफ ने अपना नाम मुकेश बताया और फोन नंबर देकर किसी भी मदद के लिए संपर्क करने को कहा।** धीर-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। आरोपी युवती को अलग-अलग कारों से इंदौर में घुमाने लगा और उसके फ्लैट में भी आने जाने लगा। धीरे-धीरे पीड़िता के फ्लैट में शराब पार्टी करने लगा। युवती को शक हुआ तो युवती ने उसका पर्स चुपके से देखा जिसमें यूसुफ खान नाम की आईडी मिली। पूछने पर आरोपी ने युवती के सामने खुलासा किया कि वह मुस्लिम है और शादी के लिए उसे धर्म परिवर्तन करना होगा। इंकार करने पर आरोपी ने मारपीट की और उसके फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। बात न मानने पर उसने फ्लैट में युवती को जमकर पीटा। पीड़िता ने हिंदू संगठन को जिहादी की असलियत बताई और उसके द्वारा की गई बर्बरता की जानकारी दी।

संपूर्ण सृष्टि में गुरु साक्षात् परमेश्वर का स्वरूप है

डॉ. राजेश रावल 'सुशील'

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुर्साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्रीगुरवे नमः।।

संपूर्ण सृष्टि ही गुरुत्वाकर्षण शक्ति पर आधारित है। यदि गुरु तत्व की आकर्षण शक्ति से यह सृष्टि न जुड़ी होती तो सेकंड से भी कम समय में समस्त ग्रह-उपग्रह एक दूसरे से टकराकर नष्ट हो जाते। गुरु तत्व का महत्व जितना बाहर है, उतना ही हमारे भीतर भी है क्योंकि चरक संहिता के एक श्लोक में कहा गया है यथा ब्रह्माण्डे तथा पिण्डे अर्थात जो-जो इस पंचतत्व से निर्मित ब्रह्माण्ड में है, वही सब हमारे शरीर में भी है। गुरुत्वाकर्षण शक्ति अर्थात ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश स्वरूप सृजन, संवर्धन एवं विसर्जन रूपी जो शक्ति बाहर है, वही हमारे शरीर में भी है । पंचतत्व से निर्मित इस शरीर में भी गुरुर ब्रह्मा अर्थात सृजन की शक्ति है, गुरुर विष्णु अर्थात रक्षा की शक्ति है एवं गुरुर देवो महेश्वरा अर्थात विनाश या परिवर्तन की शक्ति है। सृष्टि में गुरु की महत्ता को ईश्वर से भी अधिक ऊंचा पद दिया गया है। और उन्हें ईश्वर के विभिन्न रूपों अर्थात ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में भी स्वीकार किया गया है। गुरु में हमें त्रिदेवों के साक्षात् दर्शन होते हैं। गुरु ब्रह्मा भी है, क्योंकि वह अपने शिष्य को बनाता है उसे नया जन्म देता है। गुरु विष्णु भी है, क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है एवं गुरु साक्षात महेश्वर भी है, क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार करता है। परमपिता परमेश्वर स्वरूप गुरु ही ब्रह्मा की तरह हमारे हृदय में उच्च संस्कार भरते हैं, विष्णु की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं और शिवजी की तरह हमारे कुसंस्कारों एवं अहंभाव को नष्ट करते हैं।

संपूर्ण भारतवर्ष में गुरु पूर्णिमा महोत्सव बड़ी ही धूमधाम से आस्था, श्रद्धा एवं विश्वास के साथ मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा महोत्सव पूरी तरह से महर्षि वेदव्यास को समर्पित है। पौराणिक दृष्टि एवं हिंदू पंचांग के अनुसार लगभग तीन हजार वर्ष पूर्व आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा के दिन ही महर्षि वेद व्यास का जन्म हुआ था । महर्षि वेदव्यास ने बहुत ही कम उम्र में अपने माता-पिता से प्रभु दर्शन हठ करके वन जाने की आज्ञा पाई । कठिन तपस्या के पुण्य-प्रताप से वेदव्यास को संस्कृत भाषा का ज्ञान हुआ चारों वेदों का विस्तार किया और महाभारत, अठारह महापुराणों सहित ब्रह्मसूत्र की रचना की । इसी प्रकार महर्षि वेदव्यास जी द्वारा ओर भी अनेकों ग्रंथों की रचना हुई एवं व्यासपीठ एवं गुरु पूजन की परंपरा का शुभारंभ हुआ। ओर यही कारण है कि, महर्षि व्यास के जन्मदिवस अर्थात आषाढ़ी पूर्णिमा को **गुरु पूर्णिमा** एवं **व्यास पूर्णिमा** के नाम से भी मनाया जाता है । इसी दिन परमेश्वर शिव ने दक्षिणामूर्ति के रूप में ब्रह्मा के चार मानसपुत्रों को वेदों का ज्ञान प्रदान किया था ।

गुरु और शिष्य का संबंध शरीर से परे आत्मिक होता है। गुरु पूर्णिमा गुरु से दीक्षा लेने, साधना को मजबूत करने और अपने भीतर गुरु को अनुभव करने का दिन है। इस दिन बड़े ही श्रद्धाभाव

से शिष्यों द्वारा अपने गुरुओं की सेवा, पूजा, वन्दन अभिनन्दन किया जाता है। गुरु पूर्णिमा, गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा, गुरु पूजा और कृतज्ञता का दिन है। वैसे देखा जाए तो गुरु, हनुमान जी की तरह ही होना चाहिए, जो भक्त को भगवान से (विभिषण मैत्री) एवं भगवान को भक्त से (सुग्रीव मैत्री) मिलाने का कार्य करता हो। संतश्री कबीरदास जी ने एक दोहे में कहा है -

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय ।
बलिहारी गुरु आपकी, जिन गोविंद दियो बताय ।।

कहने का तात्पर्य, वह गुरु, परमात्मा से भी पहले वंदन का अधिकारी है जो शिष्य को परमात्मा से मिलवाता है। लोक में एक कहावत है - **पानी पियो छानकर, गुरु करो जानकर।** क्योंकि प्रतापभानु को मिले कपटी मुनि एवं हनुमान जी को मिले कालनेमी जैसे गुरु, जो स्वयं को त्रिकालदर्शी एवं ब्रह्मा, विष्णु, महेश से भी ऊपर, परम तत्व के ज्ञाता बताने वाले आप, हम, सभी को नर्क में ढकेल सकते हैं । स्वयं के स्वार्थ के लिए रामकाज व राम से विमुख करने वाले दुष्ट चरित्र गुरुओं की ना पहले कभी कमी रही और ना हि इस कालिकाल में है। - **जय गुरुदेव**

इंदौर की शूटिंग एकेडमी में लव जिहाद

लव जिहाद की घिनौनी मानसिकता एक बार फिर से इंदौर में भी दिखाई दी। इस बार आरोप इंदौर की एक स्थापित शूटिंग अकादमी के कोच महू के प्रजापत मोहल्ला निवासी मोहसिन खान पर लगा है। सर्वप्रथम इससे एक बात तो बिल्कुल स्पष्ट हो जाती है कि लव जिहाद की मानसिकता का पढ़े-लिखे होने या अनपढ़ होने से कोई संबंध नहीं है। मुस्लिम समाज के हर वर्ग और स्तर की मानसिकता में लव जिहाद का घिनौना जहर भरा जा चुका है।

इंदौर के अन्नपूर्णा क्षेत्र स्थित सिल्वर ऑक्स कॉलोनी में शूटिंग एकेडमी के नाम पर मोहसिन लव-जिहाद एकेडमी चला रहा था। शूटिंग अकेडमी के नाम पर उसने इसे लव-जिहाद का अड्डा बना रखा था, जहां वह भोली-भाली लड़कियों को अपने जाल में फंसाता था और फिर उनका शारीरिक शोषण करता था। यह गंदा काम वह पिछले कई सालों से कर रहा था लेकिन डर के मारे कभी कोई पीड़िता सामने नहीं आई क्योंकि वह शारीरिक शोषण करने के दौरान उनके वीडियो फोटो बना लेता था, फिर उन्हें ब्लैकमेल करता था।

हालाँकि उसकी सताई एक पीड़ित छात्रा सामने आई और उसके खिलाफ अन्नपूर्णा थाने में छेड़-छाड़ सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करवाया। इस युवती की शिकायत पर आरोपी कोच मोहसिन की सारी सच्चाई सामने आ गई। 23 वर्षीय युवती ने पुलिस को बताया कि शादी से पहले वह मोहसिन से ट्रेनिंग लिया करती थी। इसी दौरान मोहसिन ने मौका देखकर उस युवती को डरा-धमका कर अकादमी के नीचे ही स्थित फ्लैट में ले जाकर दुष्कर्म किया। इस घटना से घबराकर तब युवती ने किसी से कोई शिकायत नहीं की थी। कुछ समय बाद जब युवती का विवाह हो गया तब मोहसिन उसे ब्लैकमेल करने लगा। उसने उसे धमकाकर कहा कि यदि वह उसके पास नहीं लौटी तो वह उसके पति को सारी जानकारी दे देगा। इस प्रकार ब्लैकमेल करते हुए मोहसिन ने लड़की को अपने पास बुलाया और उसके साथ जबरदस्ती की।

एक दूसरे प्रकरण में इंदौर की ही 32 वर्षीय महिला ने बताया कि जब वह इस अकादमी में नौकरी करने गई थी तब मोहसिन उसे अनुचित रूप से टच करने की कोशिश किया करता था। एक अन्य पीड़िता ने भी अपने साथ दुर्व्यवहार की शिकायत की और बताया कि जब उसने मोहसिन की इच्छा का विरोध किया तो उसने कहा था कि तुझे मेरी अकादमी में प्रैक्टिस करना है, तो जैसा मैं कहूँ वैसा करना पड़ेगा, नहीं तो मैं तेरा करियर बर्बाद कर दूंगा।

इन घटनाओं के संज्ञान में आने के बाद आरोपी मोहसिन का चरित्र और उसकी जिहादी मानसिकता खुलकर के सामने आ चुकी है। हिंदू समाज का आरोप है कि इस मोहसिन खान ने लगभग 100 से अधिक लड़कियों के साथ गलत हरकतें की हैं। मोहसिन के मोबाइल से कई अलग-अलग युवतियों के आपत्तिजनक वीडियो भी बरामद हुए हैं, जिनसे सहज ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि वह भोपाल और बिछडोद की तर्ज पर ही हिंदू युवतियों के अश्लील चित्रों का उपयोग उन्हें ब्लैकमेल करने और उनके माध्यम से और दूसरी युवतियों को अपने जाल में फंसाने का काम कर रहा था।

मोहसिन खान केवल अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए यह सब नहीं कर रहा था। वास्तव में वह हिंदू युवतियों को जबरदस्ती नॉनवेज खाने और पूजा पाठ से दूर रहने का दबाव भी बनाता था।

स्पष्ट है कि मोहसिन हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर किसी मिशन के तहत काम कर रहा था। मोहसिन का यह कार्य भी लव जिहाद के संगठित नेटवर्क का ही एक हिस्सा है जो पूरे देश मे योजनाबद्ध रूप से किया जा रहा है।

जिस तरह से मोहसिन खान के शोषण का शिकार हुई पीड़िताएं सामने आ रही हैं उससे आशंका है कि राजधानी भोपाल की तरह ही लव जिहाद के बड़े एपिक सेंटर का इंदौर में खुलासा हो सकता है। दो दिन के भीतर तीन एफआईआर इसकी ओर ही इशारा कर रही हैं।

युवती की शिकायत पर मोहसिन खान को गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्नपूर्णा पुलिस जेल में बंद जिहादी मोहसिन खान को रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है। उसके जेल जाने के बाद और भी पीड़िताएं सामने आई हैं इसके बाद पुलिस अब उसकी करतूतों की तह तक पहुंचना चाहती है।

लव जिहाद धार्मिक-सामाजिक षड्यंत्र

डॉ. सुब्रतो गुहा

इस्लाम धर्म में **जिहाद** का अर्थ है गैर-मुस्लिमों अर्थात् काफिरों से संघर्ष कर उन्हें पराजित कर अपना वर्चस्व स्थापित करना। धीरे-धीरे **जिहाद** का फैलाव अन्य क्षेत्रों में भी हो गया जैसे **जमीन जिहाद, वोट जिहाद** इत्यादि। इसी का एक हिस्सा है **लव जिहाद** जिसमें एक मुस्लिम पुरूष प्रेम का दिखावा कर गैर-मुस्लिम युवतियों विशेष रूप से हिन्दू युवतियों एवं महिलाओं को प्रेमजाल में उलझाकर उनका शारीरिक शोषण करते हैं फिर बलपूर्वक धर्मान्तरण करवा कर निकाह करते हैं और विभिन्न प्रकार के अत्याचार करते हैं जिनमें आतंकी संगठनों में भर्ती करवाना भी शामिल है। परन्तु मुस्लिम युवक यह छद्म प्रेम का खेल अपने असली मुस्लिम नाम से नहीं बल्कि छद्म हिन्दू नाम के सहारे करते हैं, ताकि हिन्दू युवती अपने प्रेमी की असली पहचान के संदर्भ में धोखे में रहे, और एक सुखी वैवाहिक जीवन का सपना देखते-देखते अपना जीवन बर्बाद कर बैठे। लव जिहाद का खौफनाक खेल वैसे तो अनेक दशकों से चलता आ रहा है परन्तु पहली बार औपचारिक रूप से **लव जिहाद** शब्द का प्रयोग सन् 2009 में केरल उच्च न्यायालय ने शहान शाह विरूद्ध केरल राज्य प्रकरण के फैसले में करते हुए लिखा कि मुस्लिम पुरूषों द्वारा **लव जिहाद** का सहारा लेकर गैर मुस्लिम युवतियों का इस्लाम में धर्मान्तरण करवाकर उनसे विवाह का घृणित खेल चल रहा है। इसके पश्चात **लव जिहाद** शब्द का औपचारिक प्रयोग केरल के **साम्यवादी मुख्यमंत्री वी.एस. अच्युतानंदन** ने सन् 2010 में करते हुए कहा कि जिहादी आतंकी संगठन पी.एफ.आई. **लव जिहाद** एवं अन्य तरीके अपनाकर केरल को मुस्लिम बहुल राज्य बनाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। सन् 2017 में इसी जिहादी आतंकी संगठन पी.एफ. आई. का एक औपचारिक वीडियो मीडिया में आया जिसमें पी.एफ.आई. के वरिष्ठ अधिकारी कहते हुए दिख रहे हैं कि छद्म शैक्षिक, सामाजिक संगठनों के माध्यम से अधिकाधिक संख्या में **लव जिहाद** की सहायता से हिन्दू महिलाओं का इस्लाम में धर्मान्तरण करते हुए शीघ्र ही भारत को एक इस्लामिक राष्ट्र बना दिया जाएगा।

अभी मार्च 2025 में **महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनीस** ने कहा कि महाराष्ट्र राज्य में एक लाख से अधिक **लव जिहाद** के प्रकरण सामने आए हैं। हम सभी को याद है कैसे सन् 2022 में मुम्बई की युवती **श्रद्धा वालकर लव जिहाद** की शिकार हुई और आखिर में उसके **मुस्लिम प्रेमी आफताब पूनावाला** ने उसकी बेरहमी से हत्या कर शव के 35 टुकड़े कर दिए। हमारे मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में लव जिहाद गिरोहों ने सैकड़ों हिन्दू युवतियों का जीवन बर्बाद किया यह सब करतूत मीडिया ने मई 2025 में उजागर की। दुर्भाग्यवश मालवा प्रान्त भी **लव जिहाद** के अभिशाप से अछूता नहीं है। हाल ही में उज्जैन का कुरबान शाह पकड़ा गया है जिसने हिन्दू नाम रोहित का उपयोग कर अनेक हिन्दू युवतियों को **लव जिहाद** के जाल में उलझाया। इन्दौर में ड्रीम ओलिम्पिक शूटिंग एकेडमी के मालिक मोहसिन खान ने अपने साथियों इमरान और फैजान के साथ मिलकर सैकड़ों हिन्दू युवतियों से बलात्कार किया और निरन्तर ब्लैकमेल करते रहे। इन्दौर नगर निगम के पार्षद अनवर कादरी उर्फ अनवर डकैत ने अनेक मुस्लिम युवाओं को लाखों रूपए इस हिदायत के साथ बांटे कि वे हिन्दू युवतियों को **लव जिहाद** के जाल में फांसकर उनसे पहले विवाह करें, उनका यौन शोषण करें और फिर वेश्यावृत्ति के दलदल में धकेल दें। पार्षद अनवर कादरी के इस घृणित खेल से पर्दा तब उठा जब उसके द्वारा प्रायोजित अनेक मुस्लिम युवाओं में से दो मुस्लिम युवक पुलिस की गिरफ्त में आ गए। साहिल शेख ने कबूल किया कि उसने अर्जुन नाम का उपयोग करते हुए तथा अलताफ खान ने राज नाम का उपयोग करते हुए अनवर कादरी से लाखों रूपए प्राप्त कर **लव जिहाद** का खेल खेला। वैसे **लव जिहाद** के क्षेत्र में मुस्लिम महिलाएँ भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने लगी हैं। भोपाल की मुस्लिम महिला नीलोफर आसिफ ने हिन्दू नाम श्रेया का उपयोग कर हिन्दू युवक शेखर सिलावट को **लव जिहाद** का शिकार बनाकर विवाह हेतु मजबूर किया और विवाह के बाद जब वह अपने गुंडों से शेखर सिलावट से मारपीट करवाकर उसे इस्लाम में धर्मान्तरण का दबाव बनाने लगी तो शेखर सिलावट ने पिछले माह भोपाल पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई और यह प्रकरण समाज के सामने आया।

अब **लव जिहाद** समूचे भारत की सनातन सभ्यता, धर्म एवं संस्कृति के लिए गम्भीर खतरा बन चुका है। इसके प्रतिकार हेतु आवश्यक है कि सनातन धर्म के माता-पिता अपने बच्चों विशेष रूप से पुत्रियों को तीन रोगों से दूर रखें आधुनिकता, प्रगतिशीलता और संस्कार-विहीनता। तथा यह संस्कार प्रदान करें कि अपने धर्म-संस्कृति से अलग होना मृत्यु से भी बुरी स्थिति है। सामाजिक जागरूकता के साथ-साथ सामाजिक संगठनों द्वारा परामर्श केन्द्र एवं हेल्पलाइन नम्बर संचालित किए जाने चाहिए जिससे लव जिहाद के शिकार होने की कगार पर पहुंच चुकी हिन्दू युवतियों को अंतिम समय में भी सही मार्ग पर लाया जा सके। उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश इत्यादि राज्यों तक **लव जिहाद** विरोधी कानून सीमित न रखकर समूचे भारत में कठोर **लव जिहाद** विरोधी राष्ट्रीय कानून लागू किया जाना चाहिए। सरकार, समाज व जागरूक नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही **लव जिहाद** रूपी दानव का विनाश संभव होगा।

लव-जिहाद - क्या, क्यों और कैसे?

दुर्गेश कुमार साध, इन्दौर

आजकल देश के प्रत्येक भाग से नित्य ही ऐसे समाचार प्राप्त होते हैं कि किसी **'अब्दुल'** ने हिन्दू नाम सोनू, मोनू, गोलू रखकर हिन्दू लड़की को अपने प्रेम जाल में फंसाया या फिर किसी **'आफताब'** ने हाथों में कलावा बाँधकर हिन्दू होने का ढोंग रच कर किसी हिन्दू बहन के साथ बलात्कार किया। ऐसी घटनायें हाल के वर्षों में अप्रत्याशित रूप से बढ़ती गई हैं। ये घटनाएँ एक विशेष मजहबी उद्देश्य से योजनाबद्ध तरीक़ों से की जा रही हैं, जिन्हें **लव-जिहाद** कहते हैं। जब कोई ग़ैर हिन्दू युवक या युवती, अपनी असली पहचान छुपाकर, धोखा देने के उद्देश्य से, प्रेम का नाटक करके किसी के कन्वर्शन/धर्म-परिवर्तन का प्रयास करते हैं, तो ऐसी सारी गतिविधियाँ **लव-जिहाद** के अंतर्गत आती हैं। **लव-जिहाद,** मात्र एक अवधारणा या कपोल-कल्पना नहीं है, बल्कि आज के समाज की वास्तविकता है, कटु सत्य है, सकल हिन्दू समाज को एक नये प्रकार की चुनौती है। अगर हम अखण्ड भारतवर्ष की बात करें, तो विदेशी आक्रमणकारियों के आने के लाखों वर्षों पूर्व से यहाँ पर एक विलक्षण एवं सम्पूर्ण सभ्यता निवास करती आ रही है, जिन्हें सनातनी या हिन्दू कहा जाता है। हमारी इसी सभ्यता ने **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की भावना को आत्मसात करते हुए सभी को बिना किसी भेदभाव के ससम्मान न केवल अपनाया, बल्कि उनका पालन-पोषण भी किया। एक ऐसी सभ्यता, जिसने यह कभी नहीं कहा कि केवल हम ही सही हैं, बाक़ी सब असत्य हैं, पाखण्ड है, ढोंग है या यह कि जिस किसी को यहाँ रहना है, तो उन्हें हमारी आस्था, पूजा-पद्धति, नियमों, परंपराओं को अपनाना ही होगा अथवा हिन्दू धर्म में कन्वर्ट होना पड़ेगा! क्योंकि यह सर्वमान्य सत्य है कि विश्व में कहीं भी जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो वह एक हिन्दू के रूप में ही जन्म लेता है। कन्वर्शन तो उसके जन्म के बाद कुछ विशेष बाह्य शल्य क्रियाओं के द्वारा ही किया जाता है।

हम विश्व का एकमात्र धर्म हैं, बाकी सब दर्शन, पंथ, रिलीजन या मजहब हैं। हम एकमात्र वह धर्म (रिलीजन के अर्थ में) हैं, जो अपना प्रचार नहीं करता, अपनी विचारधारा किसी पर नहीं थोपता, किसी का कन्वर्शन करवाने का इरादा नहीं रखता। हम एकमात्र वह सभ्यता हैं, जो नित्य नूतन विचारों पर विमर्श के तमाम रास्ते खुले रखता है, न कि उन लोगों की हत्या करने के मंसूबे रखता है, जिनके विचार, हमारे विचारों से मेल नहीं खाते। हम एकमात्र वह धर्म हैं, जो कण-कण में प्रकृति-रूप ईश्वर को देखने का सामर्थ्य रखता है। हम एकमात्र वह धर्म हैं, जो विश्वधर्म कहलाने का अधिकारी है, क्योंकि हमारा धर्म किन्हीं अंध-अनुयायियों की फौज नहीं है, वरन् हमारा धर्म प्राणीमात्र (मनुष्य के साथ सारे जीव) के कल्याण के लिए है। हम विश्व के एकमात्र वह देश भी हैं, जिसने कभी किसी की भूमि हथियाने, लूटने या अपनी सेंया बढ़ाने के उद्देश्य से किसी अन्य देश पर आक्रमण नहीं किया।

यद्यपि हमारी इसी उदारता, इसी सहिष्णुता एवं इसी सदाशयता के चलते हिन्दू धर्म को लगातार हजारों वर्षों से मिटाने के अनगिन प्रयास किये जा रहे हैं। उल्लेखनीय यह भी है कि जहाँ

तमाम दूसरे देश, जो कभी ग़ैर-मुस्लिम हुआ करते थे, कुछ ही वर्षों में अनेकविध उपायों से पूरी तरह कन्वर्ट कर दिये गये, वहीं भारत देश में इतने वर्षों के बाद भी कन्वर्जन की दर उन देशों की तुलना में अपेक्षाकृत धीमी है। इस बात का श्रेय हमारे पूर्वजों को जाता है, जो कन्वर्ट होने की अपेक्षा अपने धर्म की रक्षा के लिए सतत संघर्षरत रहे। क्योंकि श्रीमद्भगवगीता के अध्याय 3 के श्लोक 35 में भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा है - **"स्वधर्मे निधनं श्रेयः, परधर्मो भयावहः"** अर्थात् अपने धर्म का पालन करते हुए हुई मृत्यु भी श्रेष्ठ है, मगर किसी दूसरे के धर्म का पालन करना भयावह होता है। यह संघर्ष हमारे हिस्से में भी आया है, मगर अब उन संघर्षों के तौर-तरीक़े में बदलाव आ चुका है। अब आवश्यक नहीं है कि युद्ध केवल सीमा पर ही लड़े, बल्कि यह युग **'बौद्धिक-आतंकवाद'** का युग है। इस तरह के युद्ध में फेक नैरेटिव गढ़े जाते हैं, हमारी बुद्धि को कुछ इस तरह से प्रभावित किया जाता है कि हमारा विवेक (उचित एवं अनुचित का ज्ञान) शून्य हो जाए। हमें उन छद्म विमर्शों की पहचान

कर उन्हें निष्प्रभावी करना होगा, जिनसे हमारी बहन-बेटियों को बलात् अपने घर, परिवार, समाज और धर्म से दूर करने के लगातार दुष्प्रयास किये जा रहे हैं।

लव-जिहाद कैसे किया जाता है?

लव-जिहाद की अनेक घटनाओं से यह सिद्ध होता है कि इस तरह की गतिविधियाँ अक्सर नाम और मज़हब छुपा कर की जाती हैं। व्यक्ति अपना नाम केवल तभी छुपाता है, जब उसकी नीयत धोखा देने की होती है। शायद लव-जिहादी की सोच यही होती है कि एक बार प्रेमजाल में फँस जाने के बाद लड़कियों के सामने अपनी असली पहचान उजागर कर भी दी जाये, तो उन्हें कोई हानि नहीं होगी, बल्कि उसका लाभ ही होगा, क्योंकि अगर लड़की उसके मज़हब को स्वीकार कर लेती है, तब तो उनका ध्येय पूरा हो जाता है और अगर स्वीकार नहीं भी करती है, तब भी उसका भावनात्मक एवं शारीरिक रूप से शोषण किया जा सकता है। आप अगर कुछेक सालों की **लव-जिहाद** की घटनाओं पर शोध करेंगे, तो पढ़ेंगे कि इन सबका पैटर्न लगभग एक जैसा है - पहचान छुपाकर दोस्ती गाँठना, उसके बाद आर्थिक, मानसिक और दैहिक शोषण करना, उसके बाद उन पर कन्वर्शन का दबाव डालना।

क्या होता है, जब एक लड़की लव-जिहाद का शिकार बनती है?

किसी लड़की या महिला जब लव-जिहाद का शिकार बनती है, तो उससे केवल यही नहीं होता कि एक हिन्दू की संख्या कम हो जाती है, बल्कि स्त्री अपने आप में स्वयं परिवार है, कुटुंब की जननी है, धर्म-रक्षिका है। एक महिला के जाने से भविष्य की एक पूरी पीढ़ी समाप्त हो जाती है। जहाँ वह जाती है, वहाँ पर भी उसे सिवाय प्रताड़ना के कुछ और नहीं मिलता, बल्कि वह आने वाले समय में ऐसी संतति को जन्म देने की उत्तरदायी बन जाती है, जिसे बाद में हिन्दू-विरोध, धर्म-विरोध ही करना है। वह अनजाने में एक महापातकीय कार्य की उत्तरदायी बन जाती है। **लव-जिहाद** की दो ही परिणति होती है - **या तो कन्वर्ट होकर उनकी गुलाम (सेक्स स्लेव) बन जाओ या फिर शोषित होकर मारी जाओ।**

लड़कियों को लव-जिहाद से कैसे बचाएँ?

अपने बच्चों को हिन्दू धर्म की शिक्षा अवश्य ही दिलवाएँ। उन्हें किसी से घृणा करना नहीं सिखाएँ, मगर उनमें शत्रुबोध की भावना अवश्य विकसित करें। उन्हें अन्य मज़हबों के दुष्परिणाम भी अवश्य ही बताये जाने चाहिए। उन्हें छद्म-सेकुलर न बनाएँ, बल्कि असली पंथ-निरपेक्षता का अर्थ समझाएँ (क्योंकि धर्म-निरपेक्षता जैसी कोई चीज़ नहीं होती), हमें धर्म-सापेक्ष समाज की संरचना करनी ही होगी। दूसरा, उनकी सोशल मीडिया एक्टिविटी की मॉनिटरिंग करें, लव-जिहाद जैसी घटनाओं के बारे में उन्हें बताएँ, उनसे बात करें, उनका मार्गदर्शन करें। हालिया घटनाएँ इस ओर स्पष्ट रूप से इंगित करती हैं कि लव-जिहाद की शिकार हुई लगभग 90 प्रतिशत किशोरियाँ इंस्टाग्राम के माध्यम से ही जिहादियों के संपर्क में आई थीं। अतः बच्चों के सोशल मीडिया पर नज़र रखना सभी अभिभावकों का नैतिक कर्तव्य है। अगर कोई बच्ची बहकावे में आ भी जाती है, तो उसकी पर्याप्त काउन्सिलिंग की जानी चाहिए, उस पर क्रोध करने के बजाय उसका मार्गदर्शन किया जाना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर कानूनी सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए।

जाहिलो ने जेहाद बनाया

कवि राहुल शर्मा उज्जैन

उषा की स्वर्णिम किरणों को ढलती सांझ बनाया है।
और भरोसे की मूरत को पूरा बांझ बनाया है।
खुशियों से मुस्काते चेहरे उनको रास नहीं आए।
मज़हब में अंधे होकर वो किंचित बाज़ नहीं आए।
जो उत्सव के लायक था उसको उन्माद बनाया है।
यहां प्रेम को चंद जाहिलों ने **जेहाद** बनाया है।

प्रेम पूज्य है इस भूमि पर जैसे पावन गंगा है।
सैनिक की धड़कन में बसता जैसे अमर तिरंगा है।
प्रेम वही लैला मजनू का बिस्मिल्लह शहनाई का।
जो कलाम को भारत से था कविता से वरदाई का।
इस भूमि पर प्रेम सिखाया कान्हा ने वरदान दिया।
केवल प्रेम के हेतु माता मीरा ने विषपान किया।
यहां प्रेम में स्वयं विधाता ने सर्वस्व लुटाया है।
प्रभु राम ने शबरी के झूठे बैरों को खाया है।

तुम दुर्गा सी शक्ति हो तुम काली खप्पर वाली हो।
अपने दम पर जीने वाली तुम घर की दिवाली हो।
तुमसे ही जगमग होता है पापा का घर द्वार जहां।
फिर क्यों भूल गई माता का नौ महीने का प्यार यहां।
जिनके आगे नैतिकता का शब्दकोश ही बौना है।
जिनके मजहब में औरत बस लगती एक खिलौना है।
उन दुष्टों से धर्म और यह हिंदुस्तान बचा लेना।
ख़िलजी सम्मुख पद्मिनी बनकर स्वाभिमान बचा लेना।

कांग्रेसी पार्षद का घिनौना चेहरा

दो मुस्लिम युवकों को लव जिहाद के लिए दिए लाखों रुपए बजरंगियों ने पकड़ा तो लव जिहादी बोले- हमें हिंदू युवतियों से शादी करने को कहा गया

कांग्रेसी पार्षद अनवर कादरी लव जिहादियों का मसीहा है। ये हम नहीं, बल्कि वे दो मुस्लिम युवक कह रहे हैं, जिन्हें बजरंगियों ने पकड़ा। इनके कबूलनामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने दो मुस्लिम लव जिहादियों को पकड़ा। पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी ने एक को 1 लाख व दूसरे को 2 लाख रुपए देकर कहा कि हिंदू युवतियों से शादी करो, उन्हें देह व्यापार के धंधे में उतारो। पकड़ाए लव जिहादी मुस्लिम युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद बजरंग दल में आक्रोश है। दल ने मामले से जुड़े आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग के साथ बड़ी

संख्या में सड़क पर उतरने की बात कही। बहरहाल, बजरंगियों द्वारा दोनों मुस्लिम जिहादियों को बाणगंगा पुलिस के सुपुर्द किया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। आज पीड़ित लड़कियों के बयान के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने साहिल पिता मोहम्मद आजम शेख निवासी मौनी बाबा आश्रम गली नं. 1 और अल्ताफ पिता मंजूर शाह निवासी गणेशधाम को कल सुपर कॉरिडोर पर हिंदू लड़की के साथ पकड़ा था। लड़की को रवाना करने के बाद दोनों मुस्लिम जिहादियों की जमकर खातिरदारी की गई। पूछताछ करने पर साहिल ने बताया कि उसे कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी ने 2 लाख रुपए देकर कहा कि हिंदू लड़की से शादी करो और देह व्यापार कराओ। वहीं दूसरे जिहादी अल्ताफ ने बताया उसे भी हिंदू लड़की से शादी करने के लिए अनवर कादरी ने 1 लाख रुपए दिए हैं। बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने बताया लव जिहादी साहिल कार शोरूम में काम करता है, वहीं अल्ताफ पेंटर है। दोनों को पकड़कर बाणगंगा पुलिस के सुपुर्द किया गया। संबंधित युवती के बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज होगा। बजरंग दल ने आरोप लगाया कि पकड़ाए लव जिहादियों से पूछताछ में मिली जानकारी से साफ है कि कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी लव जिहादियों का मसीहा बन बैठा है और लाखों रुपए बांटकर हिंदू लड़कियों को शिकार बनवा रहा है। **जो बने कर लेना, इस्लाम धर्म कबूल करवाऊंगा** बजरंगियों ने बताया एक लव जिहादी के मोबाइल फोन में हिंदू युवती (प्रेमिका) की चैट खुली मिली।

बारोली (देवास) में लव जिहाद

एक और जीवन लव जिहाद की भेंट चढ़ा

एक बार फिर देवास जिला **लव जिहाद** की घटना के लिए चर्चा में है। देवास से सोनकच्छ के बीच स्थित ग्राम बारोली में एक नाबालिग जनजातीय बालिका ने आत्महत्या कर ली। दिनांक 2 जून 2025 को बारौली ग्राम में रहने वाली कक्षा दसवीं मे पढ़ने वाली 16 वर्षीय उपासना ने अपने घर में रसोई की छत पर लगे कमरे में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली।

परिवार की पीढ़ा - गुरुवार को बालिका के पिता सौदान सिंह व भाई के बयानों के बाद स्पष्ट हुआ कि प्रकरण लव जिहाद का है। परिवार ने एक मुस्लिम युवक अमन शेख पर आरोप लगाए हैं। परिवार ने इस मुस्लिम युवक पर युवती से छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी देने और प्रताड़ित करने जैसे आरोप लगाए हैं। दर्ज प्राथमिकी में परिवार ने बताया कि उनकी बेटी उपासना पढ़ने के लिए अपने गांव से सोनकच्छ जाया करती थी। इस दौरान राह मे अमन शेख अक्सर बालिका के साथ छेड़-छाड़ करता था। विगत लगभग 5-6 महीनों से वह उसे धमकाया करता था कि मेरे साथ भाग चल अन्यथा तेरे परिवार को खत्म कर दूंगा।

कार्यवाही - इस प्रकरण में परिवार द्वारा प्राथमिकी दर्ज करवा दी गई है। आरोपी बबलू शेख, अमन शेख पर धारा 108, 75 (1), 75 (2), 351 (3) सहित पोक्सो और अनुसूचित जाति-जनजाति एक्ट की विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। वर्तमान में आरोपी फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

रामादल ने लहराया भारतीय संस्कृति का परचम

रामादल का यह शास्त्र एवं शस्त्र से सम्मत संस्कार शिविर आने वाली पीढ़ी के सृजन में एक बीज का कार्य करेगा जो आने वाले समय में बड़े वट-वृक्ष के रूप में समाज को अगले कुछ सालो में दिखाई देगा।

रामा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धर्म जागरण समिति (रामादल) के चौपड़ा वाटिका डॉ.अम्बेडकर नगर (महू) में आयोजित बारह दिवसीय संस्कार शिविर का समापन भव्य रूप में सम्पन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेंद्र मिश्रा एवं हिन्दू जागरण मंच के क्षेत्रीय संगठन मंत्री वरिष्ठ प्रचारक डॉ. मनीष उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि में महामंडलेश्वर संत श्री रामकृपाल दास त्यागी, अतिथि कस्टम एवं एक्साइज के पूर्व न्यायाधीश नरेंद्र नायर, अतिथि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत प्रांत संगठन मंत्री मुकेश कौशल मंच पर उपस्थित रहे।

संस्थाध्यक्ष लोकेश शर्मा द्वारा बताया गया कि शिविर में लगभग 300 बच्चे सम्मलित हुए, जिन्होंने प्रतिदिन छह सत्रो में अलग-अलग प्रशिक्षण प्राप्त किए। संस्कार शिविर के तृतीय सत्र का समापन समरोह आयोजित किया गया जिसमें अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने मंच से अपने उद्बोधन में कहा कि हमने धरती में बीज बोने का प्रयास किया है, उस बीज के पालन-पोषण व रक्षण का काम अब पालकों को करना है जिससे ये बालक-बालिकाएं कल बड़े फलदार व छायादार वृक्ष बनें, जिनका लाभ सम्पूर्ण समाज को मिले।

समापन समारोह में बालक-बालिकाओं ने शिविर में प्राप्त प्रशिक्षण का प्रकटीकरण भी किया जिसमें सभी ने शास्त्रों के मंत्रों का वाचन किया। बालिकाओं द्वारा महिषासुरमर्दिनी स्तोत्र, द्वादश ज्योतिर्लिंग मंत्र आदि का वाचन किया गया एवं दण्ड संचालन, दण्ड युद्ध, गत्ता फरी का भी प्रदर्शन किया गया। आयोजन के अंतर्गत योग शिक्षक - इन्दरसिंह, संस्कृत श्लोक शिक्षक पं आशीष शर्मा, खेल शिक्षक, दंड संचालन - श्रीकांत भार्गव, मनोज बाबा एवं गोविन्द वर्मा, खेल शिक्षक - सत्यनारायण परमार, आशीष ठाकुर, महेंद्र नीम, दीपक वर्मा, दीपक इंचुरकर, नीता दादू, महिमा यादव, अदिति कौशल एवं अमृता शर्मा को सम्मानित व पुरस्कृत किया गया।

समापन समारोह में सभी बच्चों को उनके पालकों सहित आमंत्रित किया गया था। बच्चों के प्रदर्शन को देख पालकों का उत्साह चरम पर था। समापन समारोह में नगर के वरिष्ठ समाजसेवी व गणमान्य जन भी भारी संख्या में उपस्थित हुए। सभी ने शिविर में हुए प्रशिक्षण की बढ़-चढ़ कर प्रशंसा की। रामादल द्वारा सभी शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र, एक कपड़े का झोला और महापुरुषों की जीवनी वाली दो पुस्तकें भेंट में दी। मंच संचालन शिविर संरक्षक राजीव खंडेलवाल जी ने किया एवं आभार संस्था सचिव श्रीमती साधना शर्मा ने व्यक्त किया।

हमारी बातचीत

प्रिय पाठकों ,

अगले माह से आपकी अपनी पत्रिका जागृत मालवा में एक नया स्तम्भ हमारी बातचीत प्रकाशित होगा। इस स्तम्भ में आपके सुझाव और मन की बात प्रकाशित करेंगे। आप अपने सुझाव, मालवा-निमाड़ से जुड़ी बातें और समसामयिक विषयों पर अपनी बात व्हाट्सएप, ई-मेल या पत्र के माध्यम से भेज सकते है। आप पत्रिका के लिए सुझाव और अपने मौलिक विचार भी लिख कर भेज सकते हैं, जिनकी सहायता से हम जागृत मालवा को और अधिक अपनी बना सकेंगे।

आपके चयनित पत्रों को हम इस स्तम्भ में प्रकाशित भी करेंगे।

व्हाट्सएप - ९९७७७१२५६१
ईमेल - jagrutmalwa@gmail.com
पता -विश्व संवाद केन्द्र, अर्चना, 76 रामबाग, इन्दौर

लव जिहाद और धार्मिक मूल्यों का ह्रास

अनुभूति निगम

जब प्रेम अपने स्वरूप को खो दे, और विश्वास छलावे में बदल जाए, तब समाज के मूल स्तंभ डगमगाने लगते हैं। भारतीय समाज की आत्मा उसकी विविधता में है। यहां प्रेम को ईश्वर का दर्जा दिया गया है, राधा-कृष्ण के अनुपम प्रेम से लेकर मीराबाई की भक्ति तक, हर रूप में प्रेम को ईमानदारी और समर्पण का पर्याय माना गया है। परंतु जब प्रेम की आड़ में छल, धोखा और सांस्कृतिक विघटन का षड्यंत्र बुना जाए, तब यह प्रेम नहीं रह जाता, यह एक सामाजिक अपराध बन जाता है। इसी संदर्भ में **लव जिहाद** जैसे शब्दों की व्याख्या और विमर्श की आवश्यकता है। यह सिर्फ राजनीतिक शब्द नहीं, बल्कि आज के दौर में धार्मिक मूल्यों के ह्रास और सांस्कृतिक क्षरण की गूंज है। **लव जिहाद** केवल एक शब्द नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी सामाजिक हकीकत है जिसे नजरअंदाज करना आने वाली पीढ़ियों के लिए खतरनाक हो सकता है। प्रेम का धर्म से कोई विरोध नहीं होता, लेकिन जब धर्म का छद्म मुखौटा पहनकर प्रेम का बहाना बनाया जाता है, तब सवाल उठाना अनिवार्य हो जाता है। कई राज्यों की पुलिस ने इस विषय पर जांचें की हैं, अदालतों में मामले पहुँचे हैं, और कुछ मामलों में यह भी स्पष्ट हुआ है कि नाम, पहचान और मंशा छुपाकर लड़कियों को बहलाया गया, बाद में उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन के लिए विवश किया गया।

इस षड्यंत्र की जड़ें केवल व्यक्तिगत संबंधों तक सीमित नहीं हैं, इसके पीछे एक गहरी राजनीतिक और धार्मिक रणनीति काम कर रही है, जिसे तथाकथित उदारवाद, सेक्युलरिज्म और **'गंगा-जमुनी तहज़ीब'** का आवरण पहना दिया गया है। यह खेल सामाजिक समरसता के नाम पर हो रहा है और जो इसका विरोध करता है, उसे **'सांप्रदायिक', 'कट्टर' और 'प्रेम-विरोधी'** घोषित कर दिया जाता है। यहां प्रश्न प्रेम का नहीं, बल्कि प्रेम के नाम पर धर्म और पहचान की हत्या का है। अगर इस **लव जिहाद** को केवल व्यक्तिगत प्रेम कहकर टाल दें, तो वह भोले-भाले समाज को गहरी नींद में सुलाने जैसा है। क्या प्रेम की परिणिति केवल धर्मांतरण है? क्या यह एकतरफा धर्म-परिवर्तन ही **सांप्रदायिक सौहार्द** का प्रमाण बन गया है? कुछ वर्षों पहले एक शिक्षित, आत्मनिर्भर युवती ने, एक मुस्लिम युवक से विवाह किया। उसे बताया गया था कि धर्म का कोई महत्व नहीं, प्रेम ही सब कुछ है। विवाह के बाद वह न केवल अपना धर्म, बल्कि पहनावा, खान-पान, यहां तक कि अपने माता-पिता से मिलने का अधिकार भी खो बैठी। धीरे-धीरे उस पर पर्दा थोप दिया गया, हिजाब ओढ़ा दिया गया, और अंततः एक दिन समाचारों में उसकी संदिग्ध मौत की खबर आई। यह एक उदाहरण नहीं, ऐसी घटनाओं की श्रृंखला अब रोज़मर्रा की हकीकत बन गई है। विडंबना देखिए, जब कोई नेता इस पर बोले, तो सेक्युलरवाद खतरे में आ जाता है। जब कोई सरकार धर्मांतरण-रोधी कानून लाए, तो उसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ़ बताया जाता है। लेकिन जब एक परिवार अपनी बेटी की अर्थी को कंधा देता है, तब किसी **'धर्म-निरपेक्षता'** की आत्मा नहीं कांपती। यह प्रश्न केवल हिन्दू समाज का नहीं है, यह पूरी भारतीय सभ्यता और संस्कृति की जड़ें काटने की कोशिश है। यह समझना होगा कि जब प्रेम **जिहाद** बनता है, तब वह प्रेम नहीं, सांस्कृतिक आक्रमण बन जाता है। प्रेम, त्याग और समर्पण की भूमि पर पनपता है, धोखे और छल की जमीन पर नहीं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत केवल संविधान से नहीं, बल्कि संस्कारों से भी चलता है। जब इन संस्कारों पर हमला होता है, तब देश की आत्मा घायल होती है। **लव जिहाद** इसी आत्मा पर सुनियोजित हमला है।

इन घटनाओं को केवल व्यक्तिगत मामले कहकर टालना अब संभव नहीं है। जब समाज में बार-बार ऐसी घटनाएं घटित होती हैं, और उनका स्वरूप एक पैटर्न के रूप में सामने आता है, तो यह सांस्कृतिक और धार्मिक मूल्यों पर एक सीधा आघात बन जाता है। भारतीय समाज में प्रेम का आधार परिवार की सहमति, पारस्परिक समझ और सांस्कृतिक मेल होता है। लेकिन **लव जिहाद** के मामलों में यह देखने को मिला है कि पहले नाम बदलकर युवकों द्वारा लड़कियों को प्रेम-जाल में फँसाया जाता है, फिर शादी के बाद धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता है और विरोध करने पर हिंसा, धमकी या सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ता है। यह प्रेम नहीं, एक प्रकार की मानसिक और धार्मिक हिंसा है। यहाँ यह कहना भी उचित होगा कि प्रत्येक अंतर-धार्मिक विवाह **लव जिहाद** नहीं होता। जब दो व्यक्ति परस्पर सहमति से, बिना किसी दबाव या छल के विवाह करते हैं, तो यह संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता के अंतर्गत आता है। लेकिन जब इस विवाह की नींव ही झूठ और पहचान के धोखे पर हो, तब यह स्वतंत्रता नहीं बल्कि एक संगठित सांस्कृतिक आक्रमण बन जाती है।

इस विषय पर चर्चा करते हुए यह आवश्यक है कि हम धार्मिक मूल्यों की भूमिका को भी समझें। भारत में हर धर्म, चाहे

वह हिन्दू हो, मुस्लिम हो, सिख या ईसाई, सभी में विवाह को एक पवित्र बंधन माना गया है। इस बंधन में पारदर्शिता, ईमानदारी और सेमान की भावना अपेक्षित होती है। जब इन मूल्यों का ह्रास होता है, तब न केवल एक व्यक्ति का जीवन बर्बाद होता है, संपूर्ण समाज में अविश्वास, कटुता और भय का माहौल उत्पन्न होता है। **लव जिहाद** की घटनाओं का प्रभाव केवल एक लड़की या एक परिवार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह सामूहिक सामाजिक चेतना को भी आघात पहुँचाता है। जब समाज का विश्वास डगमगाता है, जब माता-पिता अपनी बेटियों की स्वतंत्रता को संदेह की निगाह से देखने लगते हैं, तब यह **प्रेम** नहीं, समाज में भय का बीज बोने वाली घटना बन जाती है। सरकारों ने इस विषय पर कड़े कानून बनाए हैं, जैसे उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड में **धर्म-परिवर्तन निषेध कानून** लागू किया गया है। ये कानून यह सुनिश्चित करते हैं कि विवाह के नाम पर किसी को धोखा देकर, मजबूर करके, या लालच देकर धर्म परिवर्तन न करवाया जाए। लेकिन कानून अकेले पर्याप्त नहीं हैं। जब तक समाज की मानसिकता नहीं बदलेगी, जब तक युवा वर्ग को अपनी सांस्कृतिक पहचान और धार्मिक मूल्य समझ नहीं आएँगे, तब तक यह समस्या जड़ से समाप्त नहीं होगी।

सिनेमा और मीडिया को भी इस विषय पर ईमानदारी दिखानी होगी। **'इश्क़'** के नाम पर **'जिहाद'** का महिमामंडन अब बंद होना चाहिए। वरना हम अपने ही घर की नींव को खोखला करनेवालों को ताज पहनाते रहेंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि धर्मगुरु और शिक्षाविद् इस विषय पर खुलकर सामने आएँ और युवाओं को जागरूक करें कि प्रेम केवल एक आकर्षण नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। यह जिम्मेदारी धर्म, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के साथ जुड़ी होती है। जब प्रेम को हम इस दृष्टि से देखने लगेंगे, तभी हम वास्तविक प्रेम और छद्म प्रेम के बीच अंतर समझ पाएँगे।

लव जिहाद का विषय केवल हिन्दू या मुस्लिम समुदाय तक सीमित नहीं है। यह हर उस समाज के लिए चेतावनी है जहाँ प्रेम की पवित्रता का अपहरण किया जा रहा है। जब भी कोई झूठ बोलकर, पहचान छुपाकर या धर्म के नाम पर प्रेम करता है, वह केवल उस व्यक्ति को नहीं, बल्कि उस प्रेम की आत्मा को भी छलता है। हमें यह भी समझना होगा कि सांस्कृतिक मूल्यों का ह्रास तब होता है जब हम गलत को नजरअंदाज करते हैं या केवल उदारता के नाम पर सच्चाई को झूठ से ढंकने का प्रयास करते हैं। एक प्रगतिशील समाज वही होता है जहाँ स्वतंत्रता के साथ-साथ जिम्मेदारी भी समझी जाए, और जहां प्रेम के नाम पर किए जा रहे अपराधों के खिलाफ आवाज़ उठाई जाए। प्रेम तभी तक पवित्र है, जब तक वह सच्चाई, समानता और सम्मान पर आधारित हो। अन्यथा, वह केवल छलावे का एक आधुनिक नाम बनकर रह जाता है। आज आवश्यकता है सतर्कता की, संवाद की और साहस की, ताकि हमारे धार्मिक मूल्य सुरक्षित रहें, हमारी बेटियाँ सुरक्षित रहें, और समाज प्रेम के वास्तविक अर्थ को समझ सके। **लव जिहाद** समय की चेतावनी है, जिसे नजरअंदाज करना अपने भविष्य को अंधकार में धकेलना है। क्योंकि **जहाँ धर्म की रक्षा नहीं होती, वहाँ प्रेम भी स्थायी नहीं रह सकता। और जहाँ प्रेम छल से दूषित हो, वहाँ धर्म भी अपवित्र हो जाता है।**

गीत

बेशक परिवर्तन आया है, सम्बन्धों में तनातनी है।
घर-आँगन दीवार-द्वार तक, बदल गये पर प्रीति न बदली।।

पहनावे अभिरुचियाँ बदलीं, अकड़न बदली नहीं किसी की।
नर-नारी की चाहत बदली, धड़कन बदली नहीं किसी की।।

साँस वही है आस वही है, जीवन का आभास वही है।
दुनिया का विश्वास डिगा पर, प्रथम प्रणय की रीति न बदली।।
घर-आंगन दीवार-द्वार तक, बदल गये पर प्रीति न बदली।।

चाल-चलन में चालाकी है, भोलापन हो गया हवाई।
चेहरे पर चिकनापन भारी, गुपचुप मलने लगे मलाई।।

चुम्बन है आलिंगन भी है, कम्पन है आलम्बन भी है।
अभिनन्दन बदले हैं लेकिन, कायरता की भीति न बदली।।
घर-आँगन दीवार-द्वार तक, बदल गये पर प्रीति न बदली।।

एकाकी हो गयी जिन्दगी, द्वेष द्रोह सा अड़ा खड़ा है।
मात्र प्रदर्शन को जीवित सा, परिवारों में मोह खड़ा है।।

पनघट सूना नलघट सूना, तट मरघट पर जमघट दूना।
तनघट काम विरक्त भले हो, पर मनघट ने नीति न बदली।।
घर-आँगन दीवार-द्वार तक, बदल गये पर प्रीति न बदली।।

बिजली की इस चकाचौंध में, दीपक के उजियारे घायल।
पाँव मुक्त हैं तब से जब से, बन्धन के विरोध में पायल।।

राजा-रानी की न कहानी, कहती घर में दादी-नानी।
कविता है अब नई-पुरानी, सब बदला पर गीति न बदली।।
घर-आँगन दीवार-द्वार तक, बदल गये पर प्रीति न बदली।।

-गिरेन्द्रसिंह भदौरिया

लव जिहाद : परिवार में खुलकर बात करें इस पर

अमित राव पवार, देवास

हमें यह समझना होगा कि यह युद्ध किसी संगठन या संस्था का नहीं, स्वयं की अस्मिता और सेमान का है। जब कोई लड़की अपनी मर्यादा की रक्षा नहीं कर पाती, तब उसका पूरा परिवार दाँव पर लग जाता है। हमें समाज में जागरूकता लानी होगी, हर घर में इस विषय पर खुलकर बात करनी होगी। यह वैसा ही संक्रमण है जैसा कोरोना था - फर्क बस इतना है कि वह बीमारी छूने से फैलती थी और यह विचारों से। सरकार ने धर्मातरण पर सख्त कानून बनाए हैं, किन्तु समाज को भी सजग रहना होगा। जब तक हम स्वयं जागरूक नहीं होंगे, कानून अकेले कुछ नहीं कर सकता। हमें अपनी बेटियों को सिखाना होगा कि उनका शरीर और आत्मा उनके हैं, और उनकी रक्षा का उत्तरदायित्व भी उन्हीं का है।

आत्मनिरीक्षण - यह सच है कि कुछ मुस्लिम युवकों द्वारा यह रणनीति अपनाई जा रही है, पर यह भी उतना ही सच है कि हमारी लड़कियाँ स्वयं को कमजोर बना रही हैं। कोई भी गैर-मर्द तब तक हमारी बहनों को हाथ नहीं लगा सकता जब तक हम स्वयं उन्हें सशक्त और संस्कारित नहीं बनाते। हमें उन्हें राधा-कृष्ण, सीता-राम, मीरा और झांसी की रानी जैसे पवित्र उदाहरणों से जोड़ना होगा।

क्या लव जिहाद केवल एक पक्ष की करतूत है?

यह प्रश्न आज के सामाजिक विमर्श में अत्यंत आवश्यक हो गया है। क्या यह सत्य नहीं है कि इसमें हमारी अपनी बेटियाँ भी अनजाने में या कहीं-कहीं जानबूझकर भागीदार बन रही हैं? माता-पिता अपने बच्चों, विशेष रूप से बेटियों को शिक्षा दिलाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए घर से बाहर भेजते हैं, ताकि वे अपने पैरों पर खड़ी हो सकें, सम्मानपूर्वक ढंग से जीवनयापन करें। परंतु दुःखद यह है कि कई बार वही बेटियाँ प्रेमजाल में फँसकर न केवल अपना भविष्य संकट में डालती हैं, बल्कि अपने माता-पिता की प्रतिष्ठा और विश्वास को भी आघात पहुँचाती हैं। 19-20 वर्ष की आयु की ये बालिकाएँ यदि अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें, अपने जीवन को रचनात्मकता और आत्मसम्मान की दिशा में आगे ले जाएँ, तो शायद कोई भी ताकत उन्हें भ्रमित नहीं कर सकती। लेकिन जब यह उम्र केवल बॉयफ्रेंड और टाइमपास की गलियों में खो जाती है, तब वह निर्णय लेने की परिपक्वता और आत्म-संरक्षण की चेतना धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है। कोई भी परिवार अपनी बेटी को यह शिक्षा नहीं देता कि वह किसी अनजान पुरुष से इतना जुड़ जाए कि अपनी आत्मा और शरीर तक सौंप दे। चाहे वह लड़का किसी भी धर्म का हो, सवाल यह है कि हमारी बेटियाँ अपनी अस्मिता किसी के भी हाथ में क्यों सौंप रही हैं? कैसे कोई अपरिचित व्यक्ति उनका विश्वास, प्रेम, संवाद और अंततः उनके जीवन पर अधिकार कर लेता है? यह वही भारत है जहाँ रानी पद्मावती ने अपनी शुचिता की रक्षा हेतु अग्नि को गले लगाया था। यह वही धरती है जहाँ सीता

का आदर्श आज भी लाखों बेटियों के लिए पवित्रता और मर्यादा का प्रतीक है। हम उसी परंपरा को भूलकर आज अपने आत्मसम्मान को स्वयं ठुकरा रहे हैं। **लव जिहाद** केवल एक धार्मिक षड्यंत्र नहीं है, यह उस सामाजिक और वैचारिक कमजोरी का परिणाम भी है, जहाँ बेटियाँ अपने आत्मबल को खो रही हैं। यदि कोई लड़की स्वयं तटस्थ और दृढ़ न हो, तो फिर कोई दूसरा उसकी मर्यादा की रक्षा कैसे करेगा? यह केवल कानून या सरकार का मामला नहीं, यह समाज और परिवार के भीतर की वैचारिक पराजय भी है। हम अपने रिश्ते के लिए मर्यादित होते हैं किंतु वे अपने रिश्ते के लिए मर्यादित नहीं। ये भी एक बो अंतर **लव जिहाद** का दिखाई देता है।

यह प्रश्न केवल प्रेम की आड़ में होने वाली साजिशों का नहीं है, बल्कि यह भी है कि वह प्रेम आया कहाँ से? बढ़ा कैसे? और इस कदर गहरा कैसे हो गया कि आत्मा और अस्तित्व तक को किसी और के हवाले कर दिया गया। लव जिहाद कोई मामूली समस्या नहीं, यह एक सामाजिक-सांस्कृतिक युद्ध है। हमें इसमें सजगता, आत्मबल, धर्म और न्याय के साथ उतरना होगा। अगर हमने समय रहते उचित निर्णय नहीं लिया, तो यह रोग हमारी सेयता और संस्कृति को खोखला कर देगा। अतः आज आवश्यकता है कि हम अपनी बेटियों को धर्म, संस्कृति, शिक्षा और आत्मरक्षा से सज्ज करें, उन्हें मजबूत बनाएं ताकि कोई भी छल-कपट उन्हें छू भी न सके। तभी हम इस युद्ध में विजय प्राप्त कर सकेंगे।

दैनिक भास्कर उज्जैन 08-05-2025

लव जिहाद की घटनाओं के चलते स्कूल-कॉलेज, कोचिंग सेंटर पर पहुंचकर बता रहे कि अनजान से दोस्ती न करें

कोई ब्लैकमेल का प्रयास करे तो तत्काल अभिभावक व पुलिस को सूचना देने के लिए कर रहे जागरूक

मातरम् इंडिया

फिर सामने आया लव जिहाद का केस, धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव

फरदीन ने कमल बनकर छात्रा को फांसा, रेप कर किया ब्लैकमेल

आधार कार्ड से पता चला असली नाम

दैनिक भास्कर इंदौर 04-05-2025

संडे बिग स्टोरी राष्ट्रीय महिला आयोग की टीम पहुंची, नबील बोला- छात्राओं को गलत मंशा से रूम पर बुलाया

लव जिहाद: आसपास के कस्बों तक फैला नेटवर्क

आरोपी फरहान पर एससी-एसटी एक्ट में मामला दर्ज

खुलासा फर्स्ट

तिलक नगर पुलिस ने जीरो पर केस दर्ज कर आगर-मालवा भेजी डायरी

पति के मुस्लिम जिहादी दोस्त ने हिंदू बनकर फंसाया था प्रेम जाल में

शादीशुदा महिला को बंधक बनाकर धर्मांतरण और गैंगरेप, एक गिरफ्तार

कई दस्तावेजों पर जबरन साइन करवाए

दैनिक भास्कर देवास 07-06-2025

छात्रा आत्महत्या मामला : अभा बलाई महासंघ ने दिया ज्ञापन, आरोपी का मकान तोड़ने व एनएसए की कार्रवाई की मांग की

नारेबाजी-प्रदर्शन के दौरान वीडियो बना रहे दो युवकों को भीड़ ने पीटा

मुस्लिम युवक ले भागा युवती को बजरंगियों ने थाने का किया घेराव

नाबालिग लड़की से मिलने पहुंचे दो नाबालिग मुस्लिम लड़कों की जमकर पिटाई

कर्नाटक में मिली थी युवती की लोकेशन

दैनिक भास्कर मंदसौर भास्कर 17-05-2025

सर्व हिंदू समाजजनों ने लव जिहाद को लेकर जताया विरोध, रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

दैनिक भास्कर जावरा भास्कर 15-05-2025

प्रदर्शन • विहिप-बजरंग दल ने आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर ज्ञापन दिया, आंदोलन की दी चेतावनी

महू की महिला को आलोट के युवक ने लव जिहाद में फंसाकर किया प्रताड़ित, विरोध में हिंद संगठनों ने निकाला मार्च, आक्रोश

स्वदेश

www.swadeshnews.in

मध्यप्रदेश में अब 'जिम जिहाद' के जरिये निशाने पर आ रहीं हिन्दू युवतियां

मुकेश बनकर हिंदू युवती का शोषण कर रहा था यूसुफ

स्वदेश समाचार ■ इंदौर

लव जिहाद को आर्थिक मदद करने वाले कांग्रेस पार्षद कादरी का स्याह कुनबा

'डकैत' सहित चारों भाई हैं हिस्ट्रीशीटर

क्या है पूरा मामला

कोई अपहरण का आरोपी, कोई 10 साल की सजा काट रहा

अब महू की युवती ने मोहसिन के खिलाफ केस दर्ज कराया

इंदौर | शूटिंग की आड़ में युवतियों से दुष्कर्म करने वाले आरोपी मोहसिन खान पर अब महू थाना में शुक्रवार को एफआईआर दर्ज हुई है। नेशनल लेवल की शूटर ने ...

2022 में मोहसिन की इंदौर स्थित शूटिंग एकेडमी में महू की एक युवती भी शूटिंग सीखने के लिए जाती थी। एक दिन मोहसिन ने युवती को बात करने के लिए धार नाका प्रजापत मोहल्ला स्थित अपने घर बुलाया और जबरदस्ती की कोशिश की। महू टीआई राहुल शर्मा ने बताया युवती ...

मध्यप्रदेश में अब 'जिम जिहाद' के जरिये निशाने पर आ रहीं हिन्दू युवतियां

▸ भोपाल में पिछले तीन साल में 22 हिन्दू युवतियों ने बदला धर्म ▸ प्रदेश में अधिकांश जिम संचालक जिहादी मानसिकता के

लव जिहाद की तरह संगठित अपराध लगता है 'जिम जिहाद'

भोपाल में एक पूर्व विधायक की बेटी भी हो चुकी है शिकार

अनुराग उपाध्याय ■ भोपाल

यदि आप अपने घर की किसी महिला सदस्य को जिम के लिए भेज रहे हैं तो सावधान हो जाइये। कारण यह है कि कुछ जिहादी मानसिकता के लोग जिम के जरिए उन्हें टारगेट कर रहे हैं। भोपाल में ही पिछले तीन साल में ऐसे 22 मामले सामने आ चुके हैं जिनमें हिन्दू युवतियों ने अपना धर्म बदल लिया। बदनामी के डर से इनके परिजन ने नाता तोड़कर चुप्पी साध ली है। इतना ही नहीं एक पूर्व विधायक की बेटी भी जिम जिहाद का शिकार होकर अपने घर से अलग हो गई थी लेकिन उसे जैसे-तैसे जिहादियों के चंगुल से बचाया जा सका। भोपाल के अलावा इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा, छिंदवाड़ा से भी जिम जिहाद के कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन पुलिस में मामले दर्ज नहीं होने से इस समस्या पर अभी भी पर्दा डला हुआ है।

इस समय देखें तो प्रदेश में अचानक जिम की बाढ़ आ गई है। प्रदेश भर में लगभग 1900 जिम संचालित हो रही हैं। भोपाल की बात करें तो यहां तकरीबन हर मोहल्ले में दो जिम हैं। अकेले भोपाल में जिम की संख्या लगभग 610 है। मप्र में जिम संचालक और ट्रेनर कौन लोग हैं, इसकी पूरी जानकारी पुलिस और प्रशासन के पास नहीं है। सामाजिक संगठन इस मसले पर प्रशासन को सचेत कर चुके हैं। लेकिन लगता है सिस्टम किसी बड़ी घटना के इंतजार में है।

बड़े शहरों में संचालित जिम की अनुमानित संख्या

शहर	संख्या	शहर	संख्या
भोपाल	610	उज्जैन	150
इंदौर	600	सागर	50
जबलपुर	140	रीवा	40
ग्वालियर	90	छिंदवाड़ा	35

महत्वपूर्ण तथ्य

- भोपाल में वर्ष 2016 में पहली बार जिम में एकसरसाइज करने जाने वाली हिन्दू युवती के कन्वर्जन का मामला सामने आया था।
- भोपाल में अधिकांश जिम संचालक या ट्रेनर, समुदाय विशेष से जुड़े हुए हैं। ये सभी एक संगठित गैंग की तरह काम कर रहे हैं।
- भोपाल में अभी और बड़े जिम की संख्या बहुत कम है।
- बस्तियों में खास मकसद से चलाए जा रहे हैं जिम।
- वर्ष 2017 के बाद बड़ी संख्या में खोले गए जिम।
- जिम की निगरानी के लिए प्रशासन के पास नहीं कोई फुलप्रूफ प्लान।

आ रही है पालकी... बाबा महाकाल की...

श्री महाकालेश्वर सावन-भादों नगर भ्रमण 2025

14 जुलाई : पहली सवारी

21 जुलाई : दूसरी सवारी

28 जुलाई : तीसरी सवारी

04 अगस्त : चौथी सवारी

11 अगस्त : पांचवी सवारी

18 अगस्त : राजसी सवारी

अगस्त माह के मुख्य व्रत, त्यौहार एवं दिवस

ता. 09 रक्षाबंधन, स्नानदान पूर्णिमा
ता. 09 विश्व आदिवासी (जनजाति) दिवस
ता. 12 अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस
ता. 15 स्वतंत्रता दिवस
ता. 16 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी
ता. 27 विनायकी व्रत, भ. गणेश स्थापना

बुक-पोस्ट

जाग्रत मालवा

प्रति,

स्वामी- विश्व संवाद केन्द्र के लिए प्रकाशक और मुद्रक दिनेश गुप्ता द्वारा मुद्रांकण ऑफसेट ए-11डी, पोलोग्राउण्ड इन्दौर म.प्र. से मुद्रित एवं अर्चना भवन, 76 रामबाग, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक राकेश दाँगी फोन नं. 0731-3551341